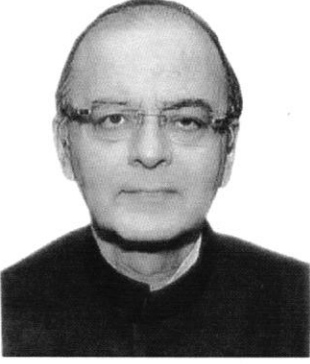


अरुण जेटली  
वित्त एवं कार्पोरेट कार्य मंत्री  
भारत



**Arun Jaitley**  
Minister of Finance & Corporate Affairs  
India



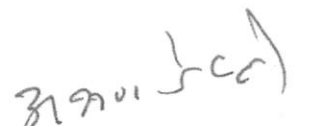
### संदेश

हिन्दी दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं।

हिन्दी करोड़ों लोगों की भाषा है। सदियों पहले शुरू हुई हिन्दी की यात्रा में खुसरो से लेकर तुलसी-जायसी-कबीर-रसखान तो शामिल रहे ही, आधुनिक युगीन साहित्यकारों ने भी अपनी कलम के हुनर से जनमानस की भाषा को नई ऊर्जा दी। देश के स्वतंत्र होने के बाद, भारतीय संविधान ने इसे राजभाषा का दर्जा देकर इसकी महत्ता को स्वीकारा। इस तरह सांस्कृतिक, साहित्यिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों को जोड़ने की क्षमता रखने वाली यह जीवंत भाषा शासकीय कार्य प्रक्रिया का हिस्सा भी बन गई। हिन्दी को देश की सामासिक संस्कृति के वाहक के रूप में स्वीकार किए जाने के कारण इसका स्वरूप और व्यापक हो गया है। आज सूचना प्रौद्योगिकी के उपकरणों की सहायता से सरकारी नीतियों और योजनाओं के बारे में जनता को अवगत कराने और इस प्रकार सरकारी तंत्र में पारदर्शिता लाने में हिन्दी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हिन्दी जनसंपर्क और राष्ट्रीय संपर्क की भाषा के रूप में भी एक सशक्त कड़ी का काम कर रही है।

हिन्दी दिवस के अवसर पर, मैं वित्त मंत्रालय तथा इसके सभी सम्बद्ध कार्यालयों, उपक्रमों, वित्तीय संस्थाओं एवं विनियामक निकायों के अधिकारियों और कर्मचारियों से आग्रह करता हूँ कि वे अपनी सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। भाषा जितनी सहज और सरल होगी, भाव-संप्रेषण उतना ही सफल और सशक्त होगा। सरकारी कामकाज में सहज, सरल और सुबोध हिन्दी का प्रयोग करें ताकि वह जनता की भाषा बनी रहे।

आइए, हिन्दी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने के अपने सांविधानिक और नैतिक दायित्व के निर्वहन का संकल्प लें।

  
(अरुण जेटली)